एडगर डॉल्फिन के कारनामे

नथानिएल बेंचली

चित्र : ममोरू फुनई

एडगर डॉल्फिन के कारनामे

नथानिएल बेंचली

चित्र : ममोरू फुनई

एडगर डॉल्फिन अभी जवान था.

लेकिन वो बहुत होशियार था.

जब वो छोटा था तभी से ही वो चीजों को

अपने मुंह में पकड़ सकता था और

कभी-कभी उन्हें फेंक भी सकता था.

जब माँ ने उसे कूदना सिखाया,

तो वो बिल्कुल माँ जैसा ही कूदा,

लेकिन उतना ऊंचा नहीं.

माँ ने एक बार उसे एक जहाज का पीछा करना सिखाया. एडगर ने अपने मुंह में समुद्री शैवाल का लंबा टुकड़ा पकड़ा और फिर जहाज़ का पीछा किया.

मां ने उसे हवा में सीधे ऊपर कूदना भी सिखाया. थोड़ी देर बाद एडगर ने नीचे आने का सही तरीका भी सीख लिया. शुरू में उसे कुछ चोट लगी, लेकिन वो लगातार कोशिश करता रहा.

एक दिन वो सीधे कूदने का अभ्यास कर रहा था. तभी उसे दूर एक अजीब सा दिखने वाला जहाज दिखाई दिया.

"ठीक है, क्या आपको पता है?" उसने कहा. "मुझे वो जहाज़ काफी दिलचस्प लग रहा है. मैं उसे करीब से जाकर देखूंगा."
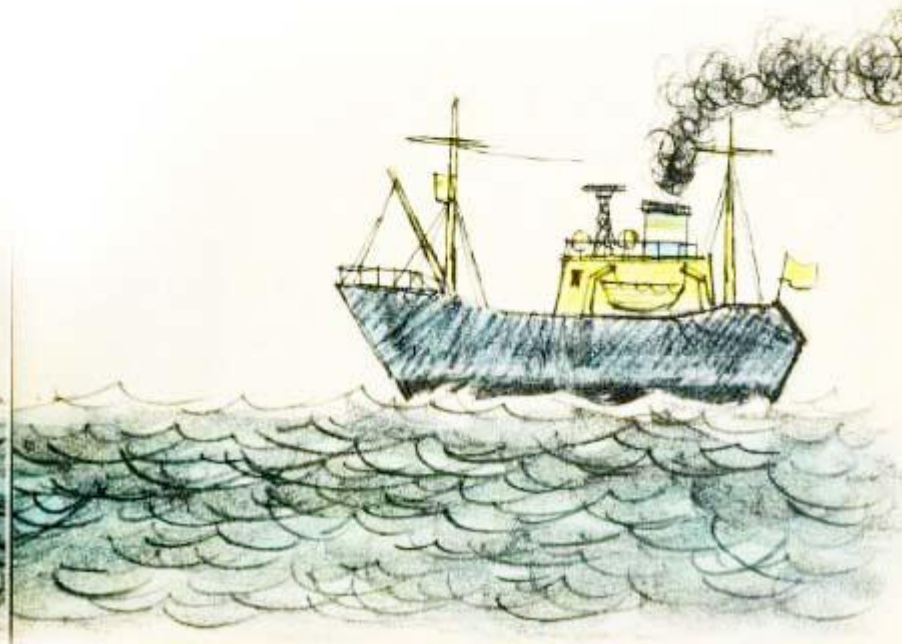
"उसके बहुत करीब मत जाना,"
एडगर की माँ ने कहा.
"हमें पता नहीं वो क्या है."
"मुझे पता है कि मैं क्या कर रहा हूँ,"
एडगर ने कहा.
फिर वो वहां गया. उसने पास जाकर देखा
तो जहाज रुका हुआ था.
उसमें कुछ मजेदार दिखने वाली चीजें थीं
जो पानी में कूद रही थीं.
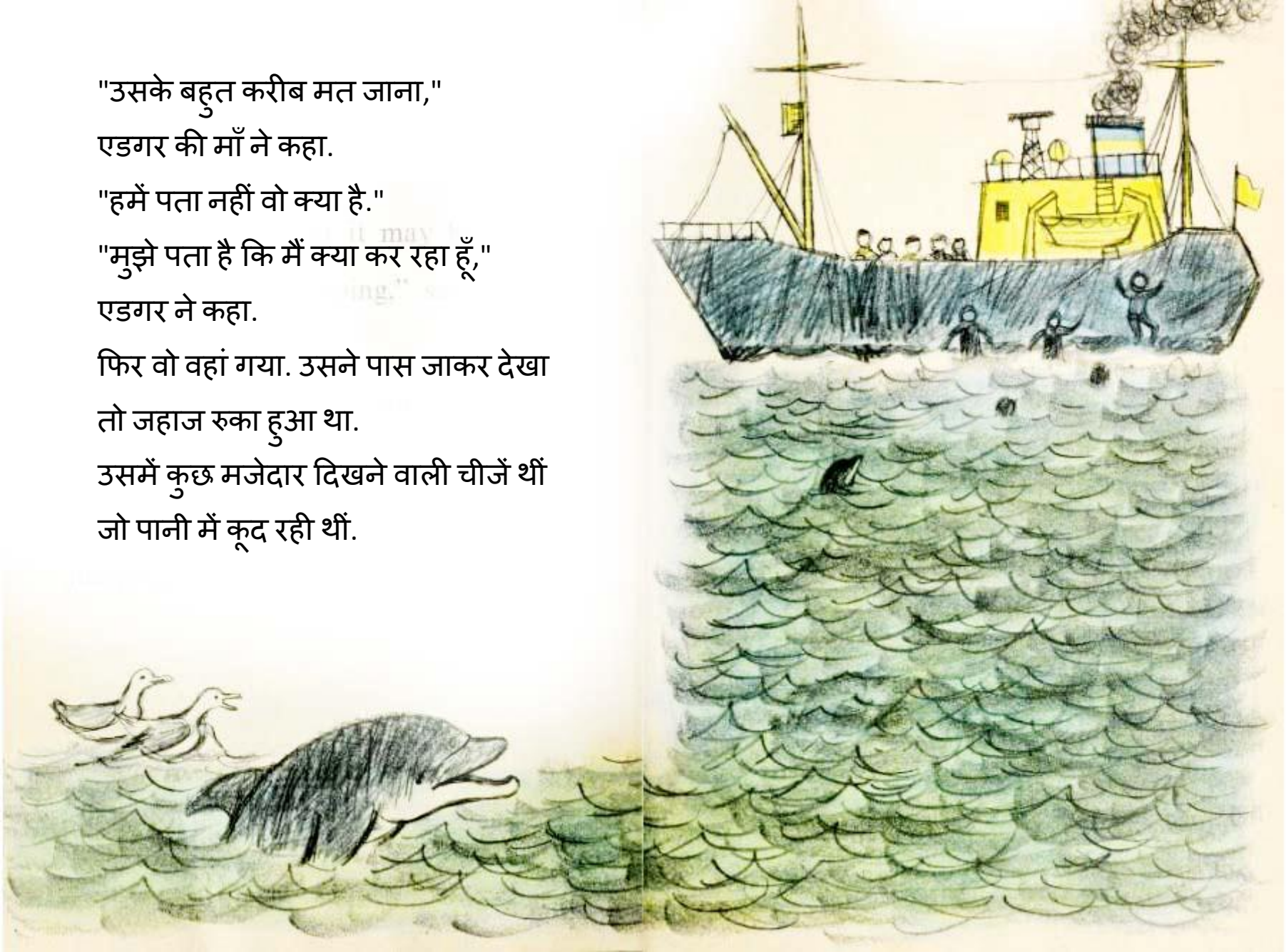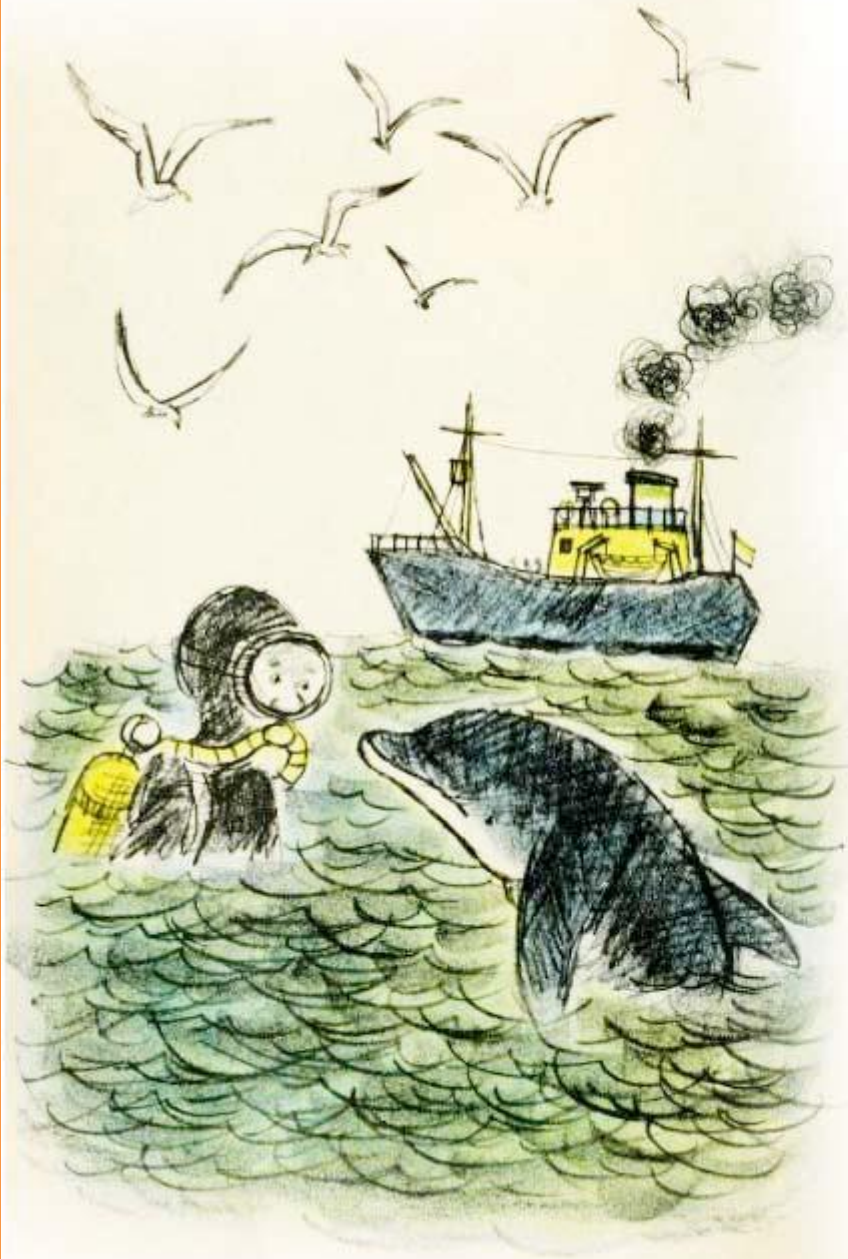
"वे क्या हैं?" एडगर ने आश्चर्य से कहा.

"मुझे वे मछलियां तो नहीं दिखते हैं."

फिर वो थोड़ा और करीब गया.

अचानक उसके सामने, एक चीज़ थी!

उसका गोल चेहरा था

उसके चपटे फ्लिपर्स थे और वो काला था.

"मेरा नाम एडगर है." एडगर ने कहा.

"तुम कौन हो?"

लेकिन उस चीज़ ने केवल बुलबुले बनाए.

"माफ़ करें?" एडगर ने कहा.

"बॉबब्लबीब्लबब्बल कौन?"

पर उस चीज़ ने

केवल और बुलबुले बनाए.

"मैं हवा में सीधे ऊपर कूद सकता हूँ,"

एडगर ने कहा.

"क्या तुम मुझसे मिलना पसंद करोगे?"
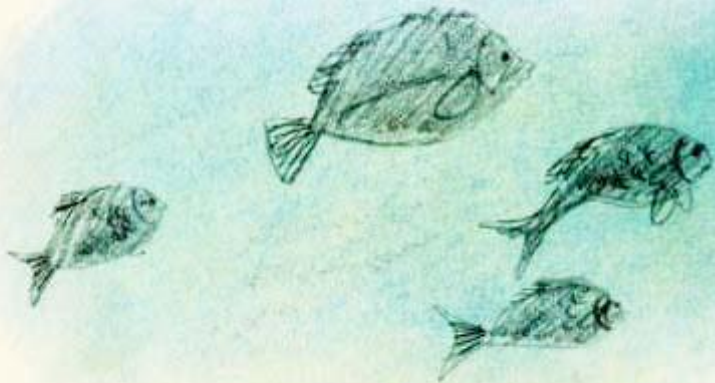
लेकिन इससे पहले कि वह कूद पाता,

उसके आसपास और चीज़ें थीं

वे चीज़ें उसके चारों ओर आईं.

उनमें से एक के पास जाल था.

"अरे!" एडगर ने कहा.

"यह कैसा खेल है?"

पर किसी ने कोई जवाब नहीं दिया.

उसके चारों ओर जाल फैला था,

फिर एडगर को पानी से बाहर

ऊपर उठाया गया.

"जाल को काट दो!" एडगर चिल्लाया.

"मुझे जाने दो!"

लेकिन जाल हवा में ऊंचा उठा
और उसे जहाज के डेक पर रखा गया.
जाल उठाने वाले दोनों आदमी हँस पड़े.
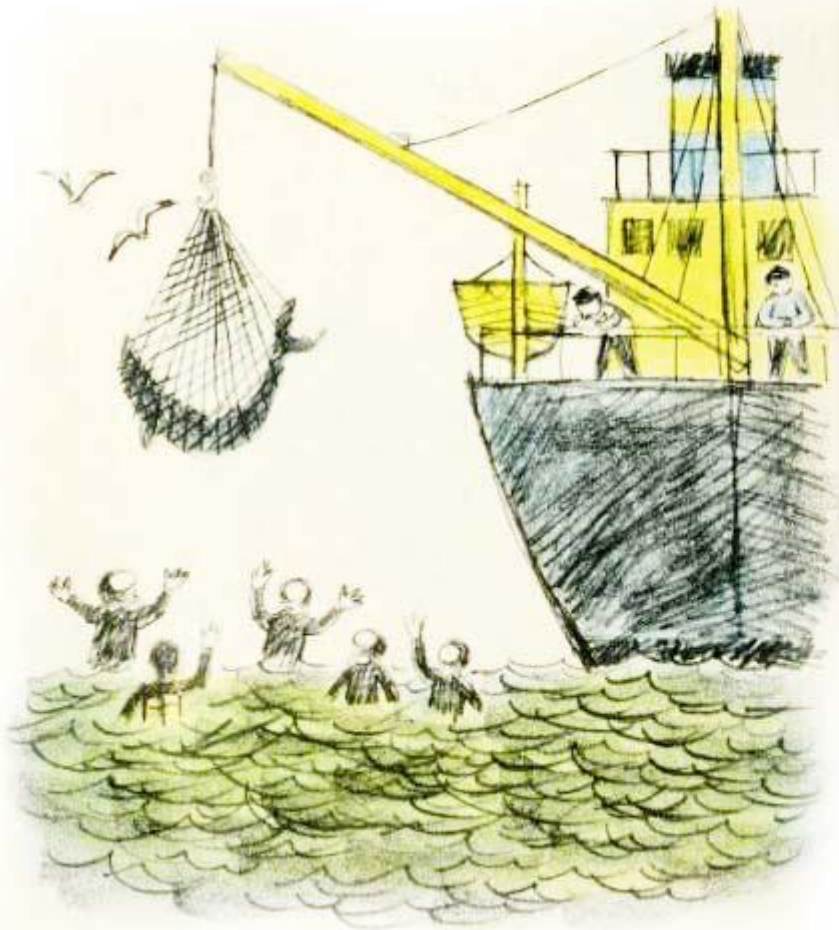
"यह कोई मज़ाक नहीं है,"
एडगर ने गुस्से में कहा.
"यह एक बेकार का खेल है,
या फिर एक बुरा मजाक है.
मैं अपनी माँ के पास वापस जाना चाहता हूँ!"
लेकिन आदमियों ने उसे उठाकर
एक टैंक में डाल दिया.

टैंक में पानी था.

इसने एडगर को गीला रखा.

लेकिन टैंक बहुत गहरा नहीं था.

"काश टैंक में कुछ और पानी होता,"

उसने सोचा.

"फिर मैं टैंक में से बाहर कूद सकता था."

वो उन लोगों से कुछ और पानी मांग सकता था,
लेकिन वो लोग उसे बहुत होशियार नहीं दिखे.
"मुझे लगता है वे मेरी बात नहीं समझेंगे."

उसने पानी मांगने की कोशिश की,
परन्तु लोगों ने उसकी बात नहीं समझी.
डॉल्फ़िन पकड़ने के बाद वे बहुत खुश थे.

"चलो अब उसे कुछ गुर सिखाते हैं,"
उनमें से एक आदमी ने कहा.
"मैंने सुना है डॉल्फ़िन बहुत स्मार्ट होते हैं."
उस आदमी ने एक गेंद एडगर के पास फेंकी.
"देखो," उसने कहा. "ज़रा इसे पकड़ने की
कोशिश करो."

एडगर ने आसानी से गेंद पकड़ी
और उसे वापस फेंक दी.

"अरे बाप रे!" वो आदमी चिल्लाया.
"वो तो हमारे सोच से भी ज्यादा
होशियार निकला!"
"अगर मेरे टैंक में और पानी होता,
तो मैं आपको कुछ नई तरकीबें दिखा
सकता था," एडगर ने सोचा.

उसने एक आदमी को देखा जो पानी के पाइप से डेक की सफाई कर रहा था. उससे एडगर के दिमाग में एक विचार उपजा. लेकिन वो आदमी काफी दूर था, और एडगर उस पाइप तक पहुंच नहीं सकता था.
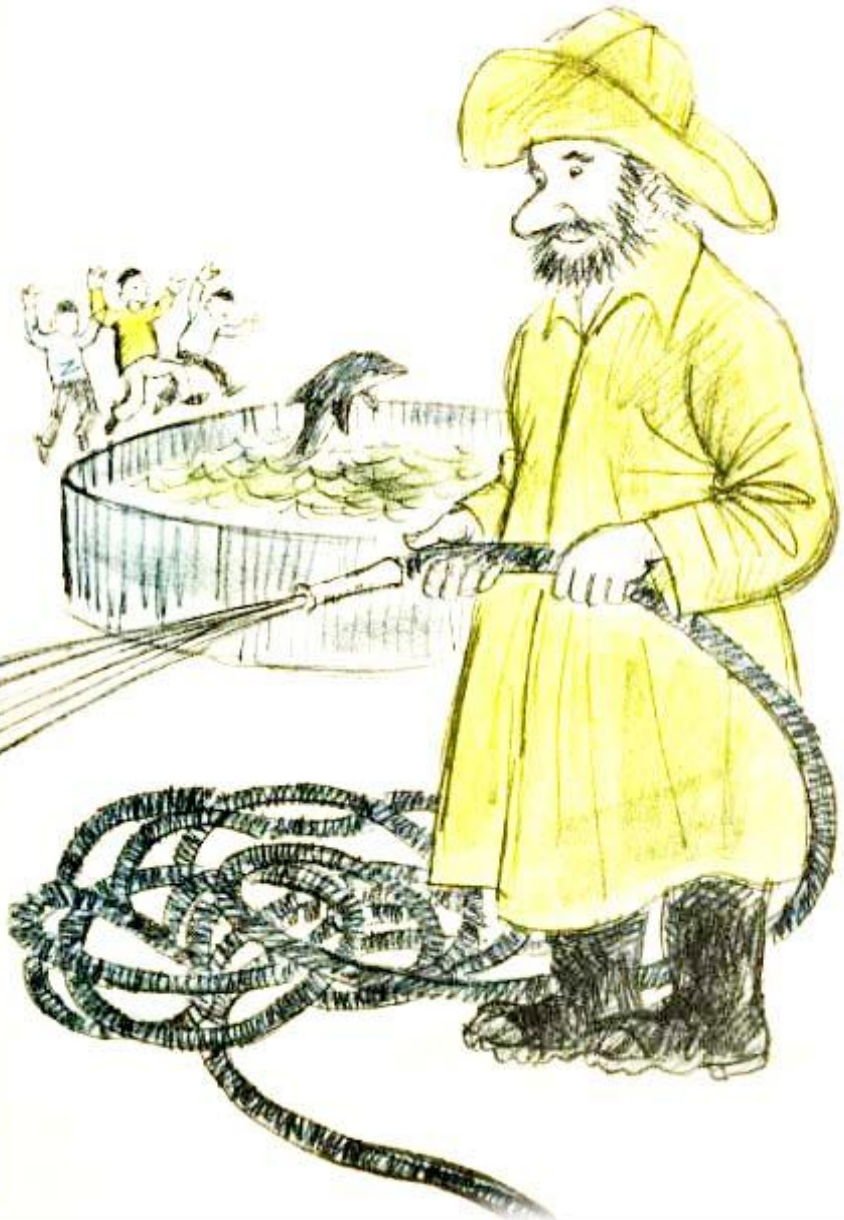
किसी ने एडगर की ओर एक और गेंद फेंकी.

एडगर ने उसे वापस फेंका.

इस बार उसने गेंद को गोलाई में फेंका.

"वो बहुत ही काबिल है!" वो आदमी चिल्लाया.

"हमारे पास एक सुपर डॉल्फ़िन है!"

प्रशंसा सुनकर एडगर को अच्छा लगा.

लेकिन अब एडगर उन आदमियों

और उनके खेल से थक चुका था.

एडगर सोचने लगा कि वे आदमी उसे
आखिर कब छोड़ेंगे. उसे कब जाने देंगे.
उसे उम्मीद थी शायद ऐसा जल्दी ही होगा.
लेकिन अचानक जहाज चलने लगा.
फिर एडगर ने महसूस किया
कि वे लोग उसे जाने नहीं देना चाहते थे!
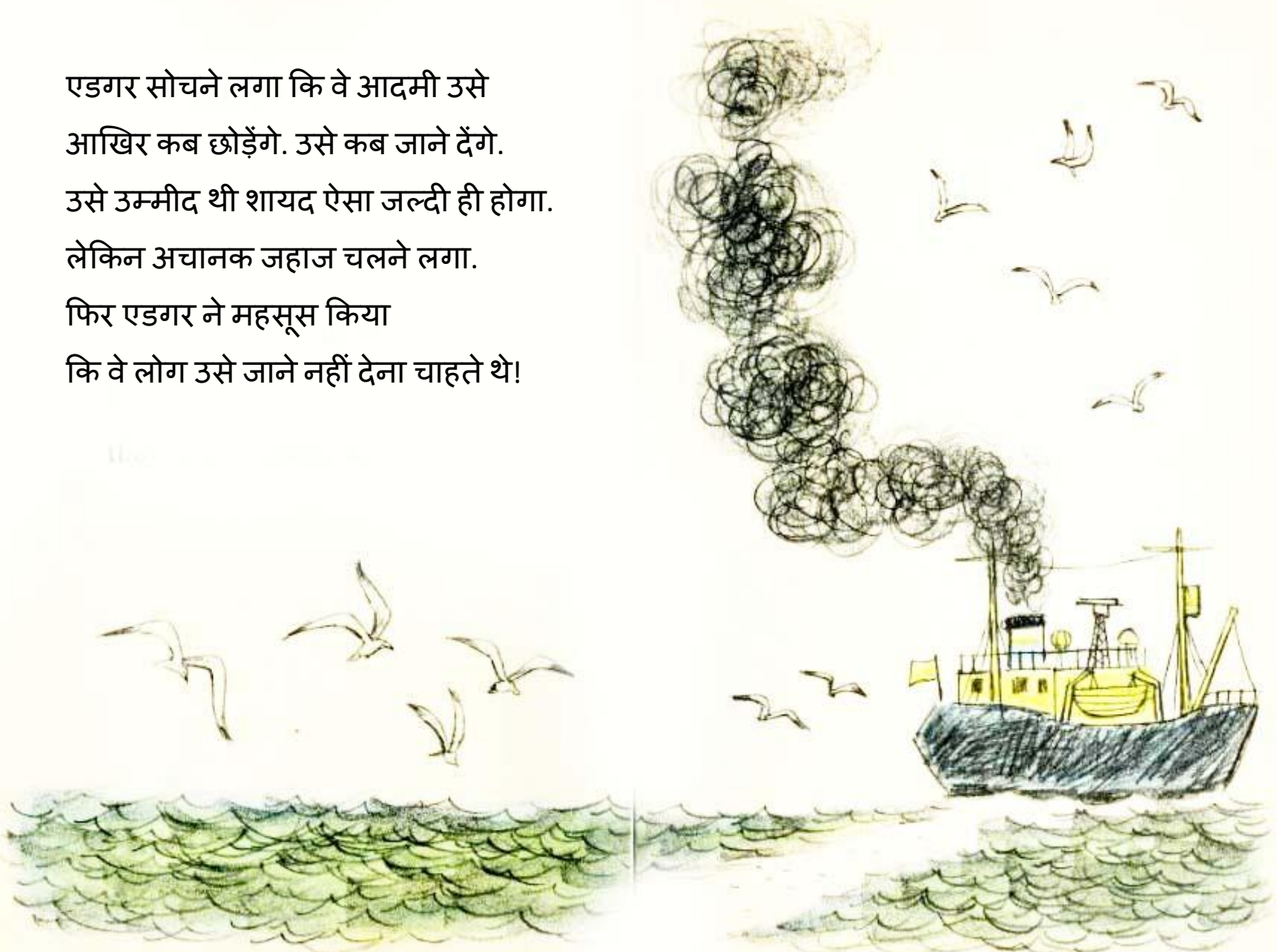
"अरे!" एडगर ने कहा.
"मुझे यहाँ से जाने दो!
मैं घर जाना चाहता हूँ!"
लेकिन वे लोग बस हँसते रहे
और उसे नए-नए करतब सिखाने
के बारे में सोचते रहे.

एक आदमी ने एडगर को
एक अजीब टोपी पहनाने की कोशिश की.
लेकिन एडगर ने उसे हटा दिया.
"वो धीरे-धीरे टोपी पसंद करने लगेगा,"
एक आदमी ने कहा, "समय के साथ हम
उसे कुछ भी पसंद करना सिखा देंगे."

"नहीं, तुम ऐसा नहीं कर पाओगे!"
एडगर चिल्लाया. "मैं एक डॉल्फ़िन हूँ.
मैं समुद्र में रहता हूँ! मैं अपनी माँ के
पास वापस जाना चाहता हूँ!"

"मुझे वो भूखा लग रहा है,"

दूसरे आदमी ने कहा.

"कोई उसे मछली लाकर दे."

वो एडगर के लिए एक मछली लाए.

लेकिन इससे पहले कि वे उसे मछली देते,

उन्होंने एडगर से दुबारा गेंद फेंकने को कहा.

एडगर इतना गुस्सा हुआ कि
उसने गेंद हवा में बहुत ज़ोर से
जहाज के किनारे पर फेंकी.
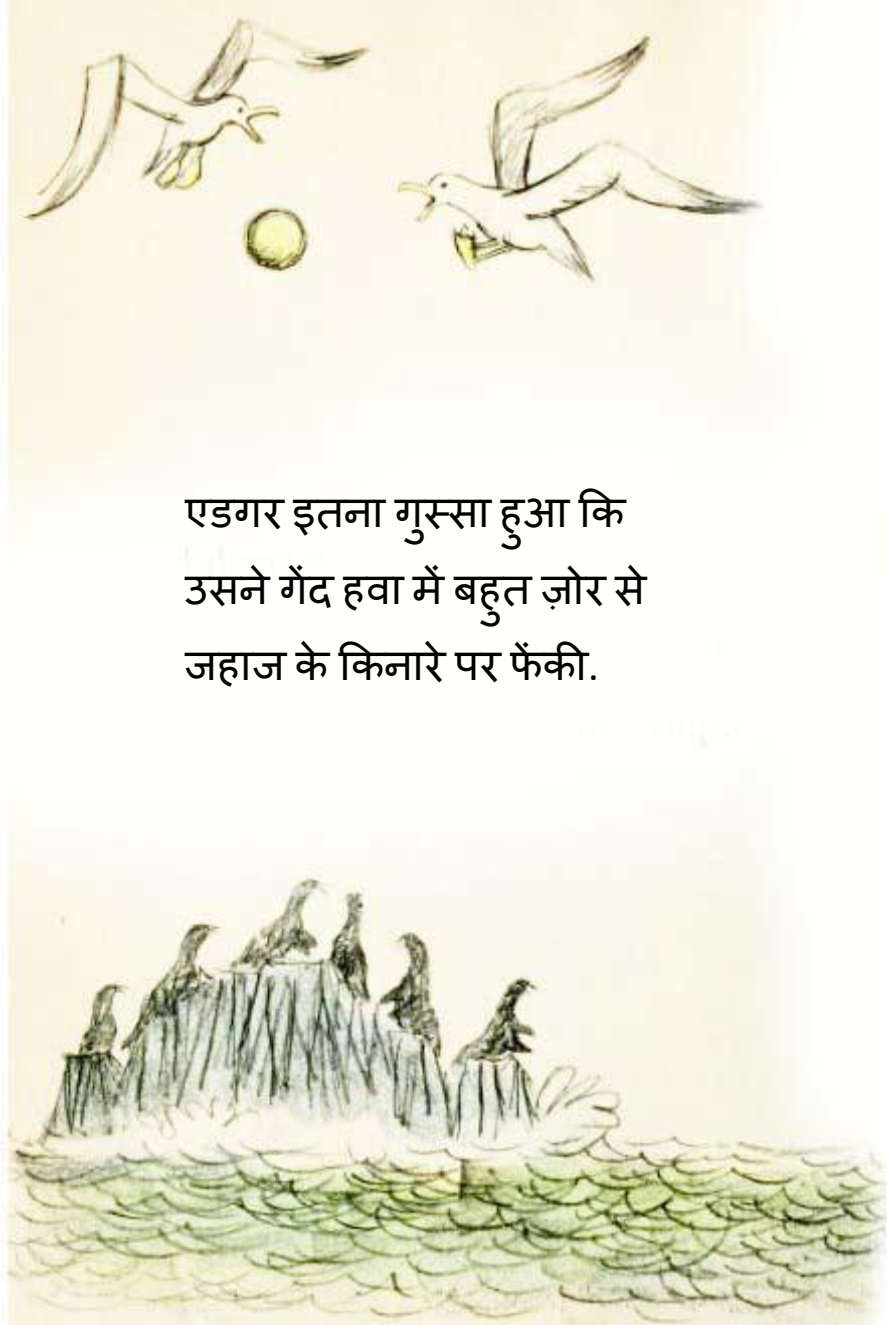
गेंद समुद्र में जाकर गिरी.
उन लोगों को गेंद लाने के लिए
जहाज को रोकना पड़ा.
कोई जहाज़ से लटककर गेंद वापिस लाया.
इस बात ने एडगर को
सोचने पर मजबूर किया.
अगर वे लोग गेंद को इतना चाहते हैं
इसका मतलब है कि गेंद
उनके लिए बहुत मायने रखती है.
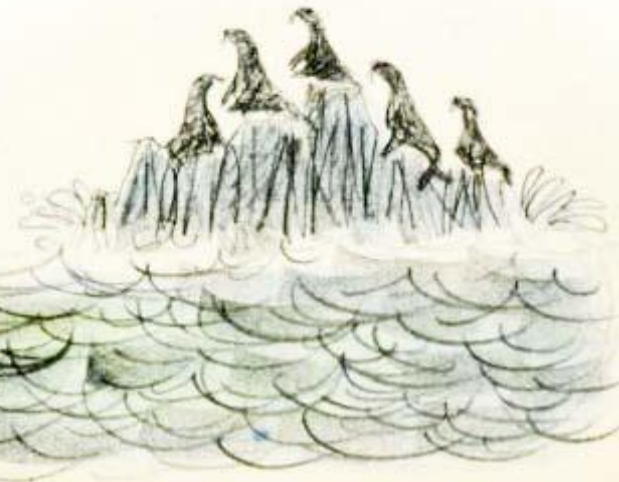
"अगर मैं गेंद को पानी के पाइप वाले
आदमी के पास फेंकू?.....
एडगर ने उस मौके का इंतजार
करने का फैसला किया.

फिर जब भी एडगर गेंद फेंकता,
तो कोई आदमी गेंद को पकड़ने
के लिए कूदता था.
अब एडगर उन आदमियों को अपनी
इच्छानुसार कहीं भी कूदने के लिए
भेज सकता था - डेक के नीचे
या अपने टैंक में. . . .

अगले दिन वो आदमी अकेले
पानी के पाइप से डेक धो रहा था.
तब एडगर ने कोशिश करने का फैसला किया.
एडगर ने गेंद को अपने मुंह में दबा लिया.
फिर वो आदमी एडगर से गेंद
वापिस लेने आया.

तभी उसी क्षण, एडगर ने गेंद को
डेक के नीचे फेंक दिया.
फिर उसने सफाई वाले आदमी
का पाइप को छीन लिया
और उसे अपने टैंक में डाल दिया!
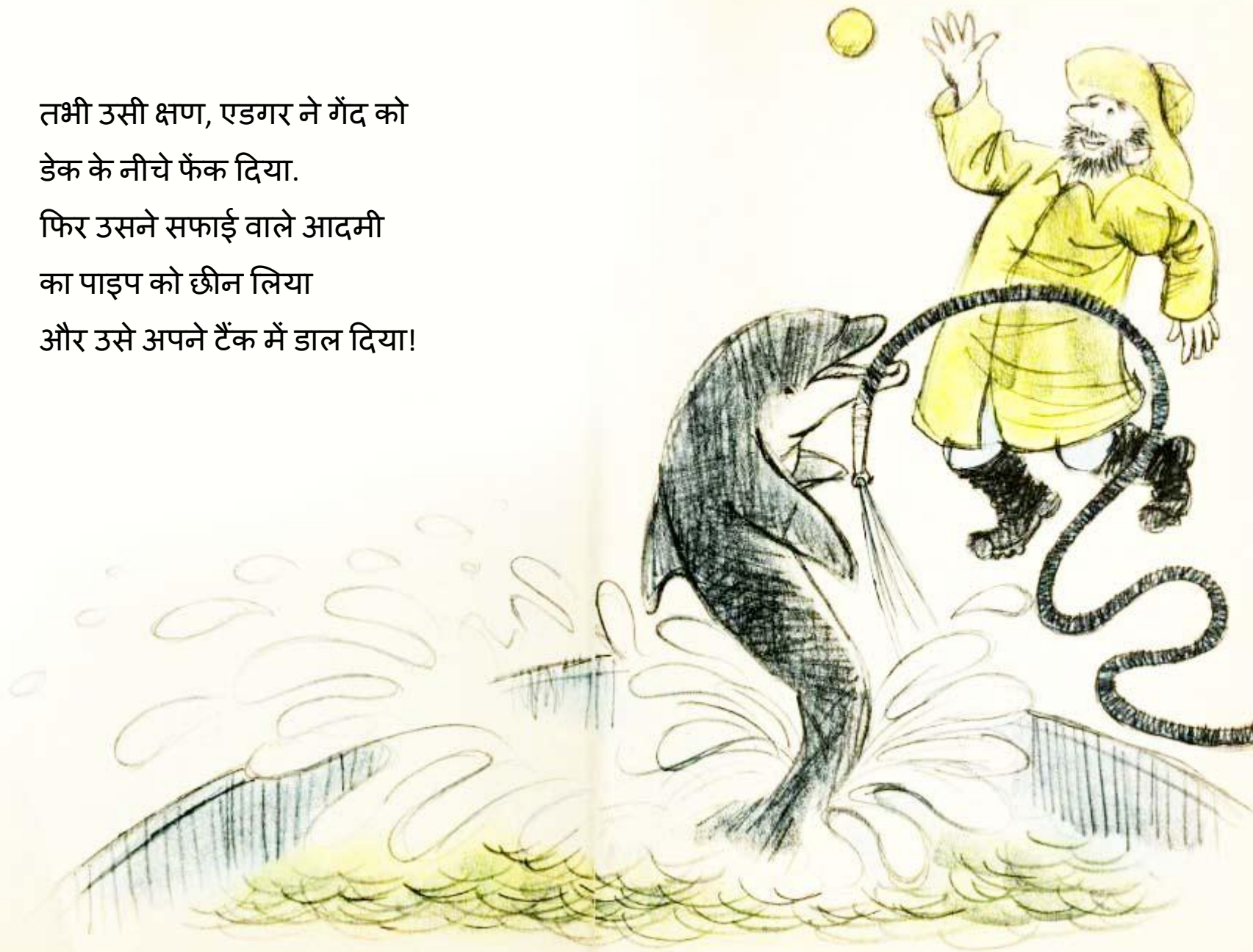
उस आदमी को वो खेल

बड़ा मज़ेदार लगा.

पहले वो गेंद लेने के लिए दौड़ा.

और फिर वो दूसरों को

यह खबर बताने के लिए दौड़ा!

इस बीच एडगर टैंक को
पानी से भरता रहा.
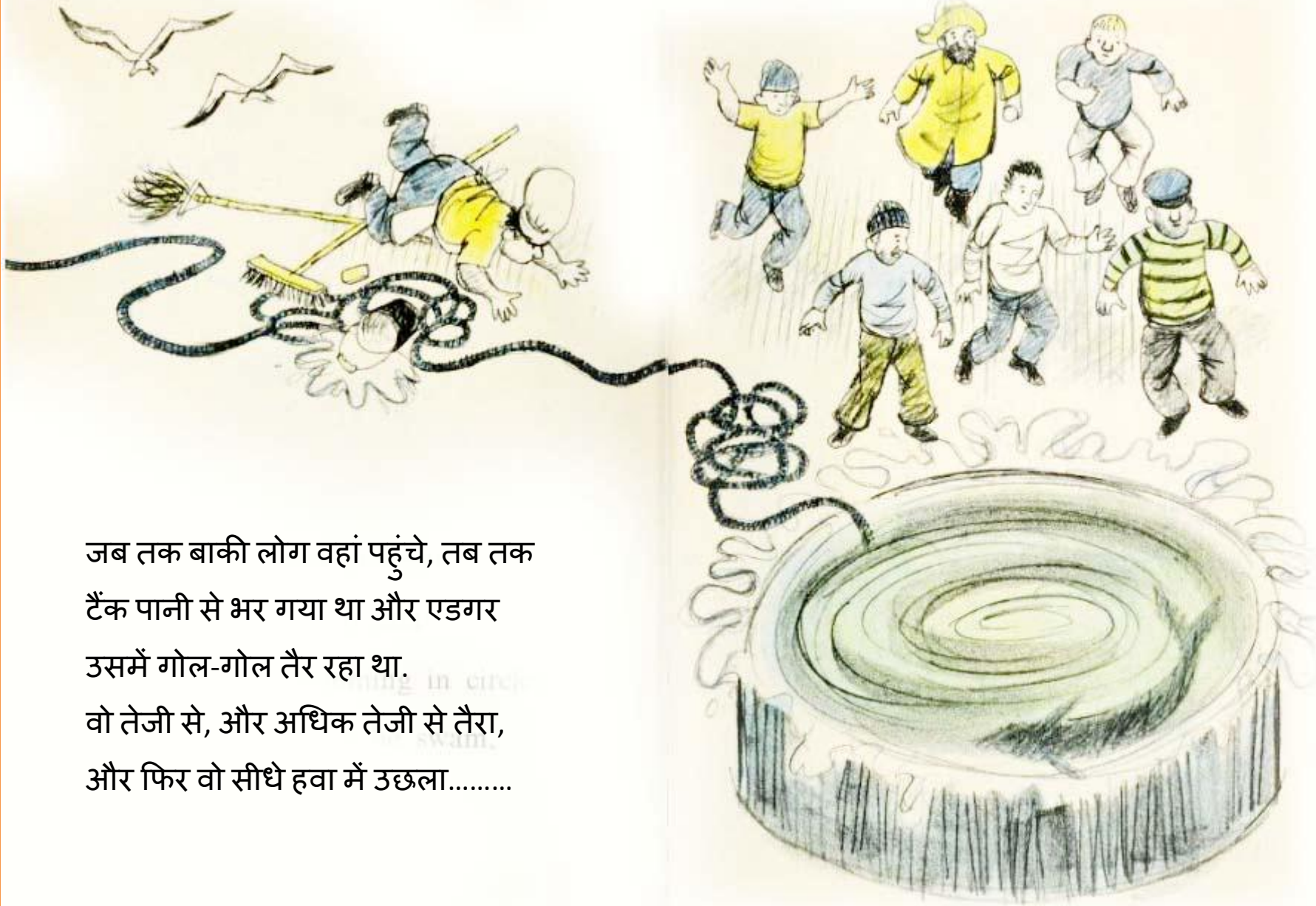
जब तक बाकी लोग वहां पहुंचे, तब तक
टैंक पानी से भर गया था और एडगर
उसमें गोल-गोल तैर रहा था.
वो तेजी से, और अधिक तेजी से तैरा,
और फिर वो सीधे हवा में उछला.........

....और जहाज के किनारे को पार करके ....

..... सीधे अपनी माँ के पास चला गया.

समाप्त